किमिघरवसण—रेशम का वस्त्र
किम्मिय—जड़ता
किम्मीर—विचित्र
किर—संबंधार्थक अव्यय
किरिकिरिआ—१ कर्णोपकर्णिका। २ कुतूहल
किरी—वराह, सूअर
किलिंचिअ—छोटी लकड़ी
किलिंकिंचिअ—रमण, क्रीड़ा
किलिकिंलित—बन्दरों का किलकिलाना
किलिगिलिय—अनुकरणवाची शब्द
किलिणी—१ प्रतोली। २ गली
किवाड—स्खलित
कीव—पक्षि-विशेष
कीस—प्रश्नसूचक अव्यय
कुइमाण—म्लान, शुष्क
कुई—बलाका
कुंट—१ कुब्ज। २ हस्त-विकल
कुंठी—चिमटा
कुंडभी—छोटी पताका
कुंडिय—खरण्टित
कुंढ—१ हस्तहीन। २ वामन
कुंभी—कपड़े में बांधा हुआ स्वर्ण आदि द्रव्य
कुंयरी—कुमारी
कुक्क—कुत्ता
कुक्कयय—आभरण-विशेष
कुक्की—कुत्ती
कुक्कु—अग्नि
कुक्कुडिया—खाद्य-विशेष
कुच्छिणी—बाड़ का छिद्र
कुट्ट—१ कोट, किला। २ नगर, शहर
कुट्टण—कूटना
कुट्टमिअ—महिष
कुट्टवाल—कोतवाल, नगररक्षक
कुट्टार—चर्मकार
कुट्टोअर—कूटागार, शयनागार
कुडंबीअ—सुरत, संभोग
कुडुंग—लतागृह
कुडुंगण—लतागृह—लतागृहमित्यर्थे देशी
कुडुंबिय—मैथुन
कुडुंबीय—रतिक्रीड़ा-विशेष
कुडुव—बजाने का काष्ठ
कुडु—कुतूहल
कुडुाल—हल के ऊपर का विस्तृत अंश
कुढ—पीठ
कुढिलग्ग—न्यायालय में जिसकी जांच हो रही हो वह
कुण्हरिया—वनस्पति-विशेष
कुत्ती—कुत्ती, कुतिया
कुद्दहोर—१ बालक। २ चन्द्रमा
कुप्पास—चोली
कुबड—कूबड़ा, कुब्ज
कुरुमालण—खुजलाना
कुरुया—शरीर-प्रक्षालन
कुरुलिअ—कौए की आवाज
कुरूढ—१ पवित्र। २ निपुण
कुललय—कुल्ला, गंडूष
कुलुविकय—जला हुआ
कुल्लुरिय—हलवाई
कुवलय—बदर

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

कुवली—वृक्ष-विशेष
कुविल—चोर
कुहणी—१ रथ्या। २ कोहनी, कूर्पर
कुहाडय—कुठार
कुहिण—कूर्पर, कोहनी
कुहिणी—मार्ग
कूर—ओदन—ओदनार्थे देशी
कूरपिउड—भोजन-विशेष
कूवार—१ चिल्लाहट। २ पुकार
केआ—क्रीडा
केऊरपुत्त—गाय तथा भैंस का बच्चा
केंजू—१ रज्जु। २ असती। ३ कन्द
केक्कार—पक्षियों का शब्द-विशेष
केडु—१ व्यापकता २। फेन। ३ साला। ४ दुर्बल
केणअ—पूजाद्रव्य
केत्तडय—कितना
केयरी—वृक्ष-विशेष
केर—१ सेवा। २ आज्ञा
केरअ—यह उसका है—इस अर्थ में प्रयुक्त अव्यय
केवइय—कितना
कोकाविअ—'को' शब्द से आहूत
कोक्कंत—'को' ऐसा शब्द करने वाला
कोक्कय—आमंत्रित करने वाला
कोक्काविअ—आहूत, आकारित
कोक्किय—आहूत
कोच्छभास—काक, कौआ
कोच्छर—१ कुशल। २ कुत्सित
कोज्जरिअ—पूरित
कोट्ट—प्राकार-भित्ति, कोट
कोट्टमिय—रतिक्रीड़ा-विशेष
कोट्टवाल—नगररक्षक
कोट्टा—प्राकार
कोड—कौतुक
कोडमिय—रतिक्रीड़ा-विशेष
कोडि—मुर्गा
कोडिय—पिशुन, चुगलखोर
कोडुमिय—रतिक्रीड़ा-विशेष
कोडुय—आश्चर्य
कोडुावण—कौतुक करना—कौतुक-करणं इत्यर्थे देशी
कोडुावणय—कौतुकोत्पादक
कोडुावणिय—कौतुक करने वाला—कौतुककारक इत्यर्थे देशी
कोडुिय—कुतूहली
कोडुी—कुतूहली
कोणाली—गोष्ठी
कोणेट्ठिया—गुञ्जा
कोण्णाअ—म्लान
कोत्थुअवत्थ—नीवी
कोदूमिय—सुरत, संभोग
कोद्दाल—कुदाल
कोप्पर—१ वर्णसंकर। २ जाल
कोमाणय—म्लान
कोर—अनुपभुक्त वस्त्र
कोव—ईषत्, थोड़ा
कोसिअ—जुलाहा
कोह—कोथली, थैला

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

ख

खंचण—कर्षण, खींचना
खंडपयार—एक प्रकार की मिठाई
खंडसोल्ल—चीनी से बना खाद्य पदार्थ
खंडिआ—माप-विशेष, बीस मन का एक माप
खंडीधारा—अति उष्ण पानी की धारा
खंडुअ—हाथ का आभूषण-विशेष, बाजूबंद
खंदजो—स्थूल इन्धन की अग्नि
खंधलट्ठि—हाथ, भुजा
खंपण—कलंक
खंपणय—वस्त्र
खक्खरग—सूखी रोटी
खगउड—पक्ष-पुट
खट्टावण्ण—खट्टा तीमन
खट्टिक्क—कसाई
खट्टिग—कसाई
खडक्क—पर्वत, शिलाखंड
खडट्टोंबिल—एक म्लेच्छ-जाति
खडफड—छटपटाहट
खडयासी—तृणभक्षक
खडरिअ—कलुषित
खडहडरव—बादलों का गर्जारव
खडहडिय—शिथिल किया हुआ
खडहार—तृणभार
खडिअ—दवात, स्याही का पात्र
खडु—खेल
खडुक्क—कसाई
खडुलय—खड्डा, गर्त्त
खत्ति—एक म्लेच्छ-जाति
खत्थ—संतप्त
खत्थय—भीत
खन्नवाइ—वह व्यक्ति जो यह मानता हो कि खान से बहुमूल्य रत्न आदि निकालने से वह धनाढ्य होगा
खप्पिअ—परिपूर्ण
खब्बण—दक्ष
खयाल—१ वंश-जाल, झाड़ी। २ पर्वत-गर्त्त
खरंसूया—वनस्पति-विशेष
खरडिय—खरंटित
खरुण्णा—विषम भूमि
खलभल—खलबलाहट, क्षोभ
खलभलिअ—क्षुब्ध
खलहल—क्षुब्ध
खलि—संबोधन-सूचक अव्यय
खलिण—लगाम
खलियारिय—कदर्थित
खली—चीनी
खल्लि—सिर की वह चमड़ी जिसमें बाल पैदा न हों
खल्लिहडअ—खल्वाट, गंजा
खल्ली—खाली
खवल—क्षोभ, खलबलाहट
खसर—कर्कश
खसिअ—१ आपूर्ण। २ खिसका हुआ
खसु—रोग-विशेष
खाण—एक म्लेच्छ-जाति
खारिक्क—फल-विशेष, छुहारा
खिल—१ ऊषर भूमि। २ अकृष्ट भूमि

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

खिल्लहड—कन्द-विशेष
खिल्लहल—कन्द-विशेष
खिल्लुहड—कंद-विशेष
खीसण—खींसना, झूरना
खुइय—१ विच्छिन्न। २ विध्यात, शांत
खुंगाह—अश्व की एक उत्तम जाति
खुंट—१ स्तम्भ—स्तम्भ इत्यर्थे देशी। २ खूंटी
खुंटण—त्रोटन, खोंटना
खुंटमोडय—१ खूंटे को मोड़ने वाला। २ इस नाम का एक हाथी
खुज्जुल्लिय—कुब्ज
खुडिया—स्वल्प रति-क्रीडा
खुडुक्किअ—१ शल्य की तरह चुभा हुआ। २ रोष-मूक, गुस्से में मौन धारण करने वाला
खुडुक्खिय—शल्य की भांति चुभा हुआ
खुडुमडु—१ बहु, अत्यन्त। २ पुनः-पुनः
खुत्त—क्षिप्त, प्रहृत
खुप्पण—निमज्जन
खुरप्प—खुरपा, क्षुरप्र (मराठी—खुरपे)
खुरहखुडी—प्रणय-प्रकोप
खुरुप्प—शस्त्र-विशेष
खुलुखी—मिथ्या घटित होना
खुल्लासय—खलासी, जहाज का कर्मचारी-विशेष
खेआलुअ—१ हास। २ हास्य के समय हंसना
खेड—आलिङ्गन
खेडय—अग्राहार, बलि
खेडुिया—१ बारी, दफा। २ खिड़की
खेर—१ एक म्लेच्छ-जाति। २ द्वेष
खेरि—द्वेष
खेल—जहाज का कर्मचारी-विशेष
खेव—आलिङ्गन
खेह—धूलि
खोंटग—खूंटी
खोंटय—खूंटा, खूंटी
खोंडग—खूंटी
खोज्ज—मार्ग-चिह्न
खोट्टिय—बनावटी लकड़ी
खोट्टिया—कुट्टिनी, दासी
खोड्डी—दासी
खोर—१ कलुषित, तुच्छ। २ मार्मिक
खोल—लघु, तुच्छ
खोल्ल—गंभीर—गम्भीर इत्यर्थे देशी। (मराठी खोल)
खोसला—दन्तुल स्त्री, वह स्त्री जिसके दांत बाहर निकले हुए हों
खोहत्त—हाथों से आहत पानी

ग

गउसाउल्ल—विरक्त
गंगली—मौन, चुप्पी
गंजुल्लिय—पुलकित
गंजोल—पीड़ित

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org